



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

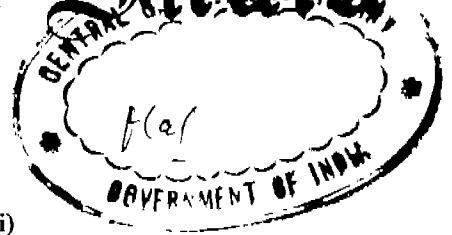
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 352]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 29, 2001/ज्येष्ठ 8, 1923

No. 352]

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 29, 2001/JYAISTHA 8, 1923

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 29 मई, 2001

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मध्यवर्तियों द्वारा विनिधान सलाह)

(संशोधन) विनियम, 2001

का.आ. 476(अ).— भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

1. इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मध्यवर्तियों द्वारा विनिधान सलाह) (संशोधन) विनियम, 2001 कहा जायेगा।

2. वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।
3. नीचे सारणी के स्तंभ (1) में विनिर्दिष्ट विनियम उक्त सारणी के स्तंभ (2) में तत्स्थानी प्रविष्टि में उपबंधित के विस्तार तक संशोधित होंगे ।

<p>विनियम का संक्षिप्त नाम</p> <p>(1)</p>	<p>संशोधन का विस्तार</p> <p>(2)</p>
<p>भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निर्गमन बैंककार) विनियम, 1994</p>	<p>1. विनियम 16 के पश्चात् नया विनियम 16क निम्नानुसार अंतःस्थापित किया जायेगा -</p> <p>"16क. अनुपालन अधिकारी की नियुक्ति -</p> <p>(1) प्रत्येक निर्गमन बैंककार अनुपालन अधिकारी जो बोर्ड या केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी अधिनियम, नियमों और विनियमों, अधिसूचनाओं, मार्गदर्शक सिद्धांतों, अनुदेशों इत्यादि की अनुपालना के अनुश्रवण के लिये और विनिधानकर्ताओं की शिकायतों को दूर करने के लिये उत्तरदायी होगा की नियुक्ति करेगा ।</p>

(2) अनुपालन अधिकारी उसके द्वारा संप्रेक्षित किसी अनुपालन की रिपोर्ट तुरंत और स्वतंत्र रूप से बोर्ड को करेगा ।"

2. अनुसूची III में, खण्ड (7) के पश्चात्, नया खण्ड (8) निम्नानुसार अंतःस्थापित किया जायेगा -

"(8)(क) निर्गमन बैंककार या उसके कर्मचारियों में से कोई, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, किसी प्रतिभूति के बारे में कोई विनिधान सलाह सार्वजनिक रूप से पहुँचयोग्य भीड़िया, चाहे वास्तविक-समय या अवास्तविक समय, में तब तक नहीं देगा, जब तक कि उसके हित जिसमें उक्त प्रतिभूति में बिक्री से अधिक खरीद या खरीद से अधिक बिक्री सम्मिलित है का प्रकटीकरण न कर दिया गया हो, ऐसी सलाह देते समय।

(ख) यदि, निर्गमन बैंककार का कर्मचारी ऐसी सलाह दे रहा है, वह उसके आश्रित पारिवारिक सदस्यों और नियोक्ता के हित का भी प्रकटीकरण करेगा जिसमें उनकी उक्त

	प्रतिभूति में बिक्री से अधिक खरीद या खरीद से अधिक बिक्री सम्मिलित है, ऐसी सलाह देते समय ।"
भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (साख निर्धारण एजेंसियाँ) विनियम, 1999	<p>1. विनियम 20 के पश्चात् नया विनियम 20क निम्नानुसार अंतःस्थापित किया जायेगा -</p> <p>"20क. अनुपालन अधिकारी की नियुक्ति -</p> <p>(1) प्रत्येक साख निर्धारण एजेंसी अनुपालन अधिकारी जो बोर्ड या केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी अधिनियम, नियमों और विनियमों, अधिसूचनाओं, मार्गदर्शक सिद्धांतों, अनुदेशों इत्यादि की अनुपालना के अनुश्रवण के लिये उत्तरदायी होगा की नियुक्ति करेगा ।</p> <p>(2) अनुपालन अधिकारी उसके द्वारा संप्रेक्षित किसी अननुपालन की रिपोर्ट तुरंत और स्वतंत्र रूप से बोर्ड को करेगा ।"</p> <p>2. तीसरी अनुसूची में, खण्ड (11) के पश्चात् नया खण्ड (11क) निम्नानुसार</p>

	<p>अंतःस्थापित किया जायेगा -</p> <p>"(11क)(क) साख निर्धारण एजेंसी या उसके कर्मचारियों में से कोई, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, किसी प्रतिभूति के बारे में कोई विनिधान सलाह सार्वजनिक रूप से पहुँचयोग्य मीडिया, चाहे वास्तविक-समय या अवास्तविक समय, में तब तक नहीं देगा, जब तक कि उसके हित जिसमें उक्त प्रतिभूति में बिक्री से अधिक खरीद या खरीद से अधिक बिक्री सम्मिलित है का प्रकटीकरण न कर दिया गया हो, ऐसी सलाह देते समय।</p> <p>(ख) यदि, साख निर्धारण एजेंसी का कर्मचारी ऐसी सलाह दे रहा है, वह उसके आश्रित पारिवारिक सदस्यों और नियोक्ता के हित का भी प्रकटीकरण करेगा जिसमें उनकी उक्त प्रतिभूति में बिक्री से अधिक खरीद या खरीद से अधिक बिक्री सम्मिलित है, ऐसी सलाह देते समय ।"</p>
<p>भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूति अभिरक्षक) विनियम, 1996</p>	<p>1. विनियम 19 के पश्चात् नया विनियम 19क निम्नानुसार अंतःस्थापित किया जायेगा -</p>

"19क. अनुपालन अधिकारी की नियुक्ति -

(1) प्रत्येक प्रतिभूति अभिरक्षक अनुपालन अधिकारी जो बोर्ड या केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी अधिनियम, नियमों और विनियमों, अधिसूचनाओं, मार्गदर्शक सिद्धांतों, अनुदेशों इत्यादि की अनुपालना के अनुश्रवण के लिये और विनिधानकर्ताओं की शिकायतों को दूर करने के लिये उत्तरदायी होगा की नियुक्ति करेगा ।

(2) अनुपालन अधिकारी उसके द्वारा संप्रेक्षित किसी अननुपालन की रिपोर्ट तुरंत और स्वतंत्र रूप से बोर्ड को करेगा ।"

2. तीसरी अनुसूची में, खण्ड (10) के पश्चात् नया खण्ड (11) निम्नानुसार अंतःस्थापित किया जायेगा -

"(11)(क) प्रतिभूति अभिरक्षक या उसके कर्मचारियों में से कोई, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, किसी प्रतिभूति के बारे में कोई

	<p>विनिधान सलाह सार्वजनिक रूप से पहुँचयोग्य मीडिया, चाहे वास्तविक-समय या अवास्तविक समय, में तब तक नहीं देगा, जब तक कि उसके हित जिसमें उक्त प्रतिभूति में बिक्री से अधिक खरीद या खरीद से अधिक बिक्री सम्मिलित है का प्रकटीकरण न कर दिया गया हो, ऐसी सलाह देते समय।</p> <p>(ख) यदि, प्रतिभूति अभिरक्षक का कर्मचारी ऐसी सलाह दे रहा है, वह उसके आश्रित पारिवारिक सदस्यों और नियोक्ता के हित का भी प्रकटीकरण करेगा जिसमें उनकी उक्त प्रतिभूति में बिक्री से अधिक खरीद या खरीद से अधिक बिक्री सम्मिलित है, ऐसी सलाह देते समय।"</p>
<p>भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (डिबेंचर न्यासी) विनियम, 1993</p>	<p>1. विनियम 17 के पश्चात् नया विनियम 17क निम्नानुसार अंतःस्थापित किया जायेगा -</p> <p>"17क. अनुपालन अधिकारी की नियुक्ति -</p> <p>(1) प्रत्येक डिबेंचर न्यासी अनुपालन अधिकारी जो बोर्ड या केन्द्रीय सरकार</p>

द्वारा जारी अधिनियम, नियमों और विनियमों, अधिसूचनाओं, मार्गदर्शक सिद्धांतों, अनुदेशों इत्यादि की अनुपालना के अनुश्रवण के लिये और विनिधानकर्ताओं की शिकायतों को दूर करने के लिये उत्तरदायी होगा की नियुक्ति करेगा ।

- (2) अनुपालन अधिकारी उसके द्वारा संप्रेक्षित किसी अनुपालन की रिपोर्ट तुरंत और स्वतंत्र रूप से बोर्ड को करेगा ।"

2. अनुसूची III में, खण्ड (7) के पश्चात्, एक अन्य खण्ड (8) निम्नानुसार अंतःस्थापित किया जायेगा -

"(8)(क) डिबेंचर न्यासी या उसके कर्मचारियों में से कोई, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, किसी प्रतिभूति के बारे में कोई विनिधान सलाह सार्वजनिक रूप से पहुँचयोग्य मीडिया, चाहे वास्तविक-समय या अवास्तविक समय, में तब तक नहीं देगा, जब तक कि उसके हित जिसमें उक्त प्रतिभूति में बिक्री से अधिक खरीद या खरीद से अधिक बिक्री सम्मिलित है

	<p>का प्रकटीकरण न कर दिया गया हो, ऐसी सलाह देते समय।</p> <p>(ख) यदि, डिबेंचर न्यासी का कर्मचारी ऐसी सलाह दे रहा है, वह उसके आश्रित पारिवारिक सदस्यों और नियोक्ता के हित का भी प्रकटीकरण करेगा जिसमें उनकी उक्त प्रतिभूति में बिक्री से अधिक खरीद या खरीद से अधिक बिक्री सम्मिलित है, ऐसी सलाह देते समय।"</p>
<p>भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निक्षेपागार और सहभागी) विनियम, 1996</p>	<p>1. विनियम 58 के पश्चात्, विनियम 58क और 58ख निम्नानुसार अंतःस्थापित किये जायेंगे -</p> <p>"(58क) (1) निक्षेपागार अथवा सहभागी या उनके कर्मचारियों में से कोई, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, किसी प्रतिभूति के बारे में कोई विनिधान सलाह सार्वजनिक रूप से पहुँचयोग्य मीडिया, चाहे वास्तविक-समय या अवास्तविक समय, में तब तक नहीं देगा, जब तक कि उसके हित जिसमें उक्त प्रतिभूति में बिक्री से अधिक खरीद या खरीद से अधिक</p>

बिक्री सम्मिलित है का प्रकटीकरण न कर दिया गया हो, ऐसी सलाह देते समय।

(2) यदि, निक्षेपागार या सहभागी का कर्मचारी ऐसी सलाह दे रहा है, वह उसके आश्रित पारिवारिक सदस्यों और नियोक्ता के हित का भी प्रकटीकरण करेगा जिसमें उनकी उक्त प्रतिभूति में बिक्री से अधिक खरीद या खरीद से अधिक बिक्री सम्मिलित है, ऐसी सलाह देते समय।"

"58ख. अनुपालन अधिकारी की नियुक्ति -

(1) निक्षेपागार और सहभागी अनुपालन अधिकारी जो बोर्ड या केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी अधिनियम, नियमों और विनियमों, अधिसूचनाओं, मार्गदर्शक सिद्धांतों, अनुदेशों इत्यादि की अनुपालना के अनुश्रवण के लिये और विनिधानकर्ताओं की शिकायतों को दूर करने के लिये उत्तरदायी होगा की नियुक्ति करेगा।

(2) अनुपालन अधिकारी उसके द्वारा संप्रेक्षित

	<p>किसी अननुपालन की रिपोर्ट तुरंत और स्वतंत्र रूप से बोर्ड को करेगा ।"</p>
<p>भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) विनियम, 1995</p>	<p>1. विनियम 17 के पश्चात् नया विनियम 17क निम्नानुसार अंतःस्थापित किया जायेगा -</p> <p>"17क - सार्वजनिक रूप से पहुँचयोग्य मीडिया में विनिधान सलाह</p> <p>(1) विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता या उसके कर्मचारियों में से कोई, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, किसी प्रतिभूति के बारे में कोई विनिधान सलाह सार्वजनिक रूप से पहुँचयोग्य मीडिया, चाहे वास्तविक-समय या अवास्तविक समय, में तब तक नहीं देगा, जब तक कि उसके हित जिसमें उक्त प्रतिभूति में बिक्री से अधिक खरीद या खरीद से अधिक बिक्री सम्मिलित है का प्रकटीकरण न कर दिया गया हो, ऐसी सलाह देते समय।</p> <p>(2) यदि, विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता का कर्मचारी ऐसी सलाह दे रहा है, वह उसके</p>

	<p>आश्रित पारिवारिक सदस्यों और नियोक्ता के हित का भी प्रकटीकरण करेगा जिसमें उनकी उक्त प्रतिभूति में बिक्री से अधिक खरीद या खरीद से अधिक बिक्री सम्मिलित है, ऐसी सलाह देते समय ।"</p> <p>2. विनियम 19 के पश्चात् नया विनियम 19क निम्नानुसार अंतःस्थापित किया जायेगा -</p> <p>"19क. अनुपालन अधिकारी की नियुक्ति -</p> <p>(1) प्रत्येक विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता अनुपालन अधिकारी जो बोर्ड या केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी अधिनियम, नियमों और विनियमों, अधिसूचनाओं, मार्गदर्शक सिद्धांतों, अनुदेशों इत्यादि की अनुपालना के अनुश्रवण के लिये उत्तरदायी होगा की नियुक्ति करेगा ।</p> <p>(2) अनुपालन अधिकारी उसके द्वारा संप्रेक्षित किसी अनुपालन की रिपोर्ट तुरंत और स्वतंत्र रूप से बोर्ड को करेगा ।"</p>
--	--

<p>भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेट बैंककार) विनियम, 1992</p>	<p>1. विनियम 28 के पश्चात् नया विनियम 28क निम्नानुसार अंतःस्थापित किया जायेगा -</p> <p>"28क. अनुपालन अधिकारी की नियुक्ति -</p> <p>(1) प्रत्येक मर्चेट बैंककार अनुपालन अधिकारी जो बोर्ड या केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी अधिनियम, नियमों और विनियमों, अधिसूचनाओं, मार्गदर्शक सिद्धांतों, अनुदेशों इत्यादि की अनुपालना के अनुश्रवण के लिये और विनिधानकर्ताओं की शिकायतों को दूर करने के लिये उत्तरदायी होगा की नियुक्ति करेगा ।</p> <p>(2) अनुपालन अधिकारी उसके द्वारा संप्रेक्षित किसी अनुपालन की रिपोर्ट तुरंत और स्वतंत्र रूप से बोर्ड को करेगा और सुनिश्चित करेगा कि यथास्थिति प्रारूप विवरण पत्रिका या प्रस्ताव पत्र पर / में बोर्ड द्वारा किये गये संप्रेक्षण या बतायी गयी कमियाँ, आवर्ती नहीं होतीं ।"</p> <p>2. अनुसूची III में, खण्ड (8) के पश्चात्,</p>
---	---

	<p>नया खण्ड (8क) निम्नानुसार अंतःस्थापित किया जायेगा -</p> <p>"(8क) (क) मर्चेट बैंककार या उसके कर्मचारियों में से कोई, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, किसी प्रतिभूति के बारे में कोई विनिधान सलाह सार्वजनिक रूप से पहुँचयोग्य मीडिया, चाहे वास्तविक-समय या अवास्तविक समय, में तब तक नहीं देगा, जब तक कि उसके हित जिसमें उक्त प्रतिभूति में बिक्री से अधिक खरीद या खरीद से अधिक बिक्री सम्मिलित है का प्रकटीकरण न कर दिया गया हो, ऐसी सलाह देते समय।</p> <p>(ख) यदि, मर्चेट बैंककार का कर्मचारी ऐसी सलाह दे रहा है, वह उसके आश्रित पारिवारिक सदस्यों और नियोक्ता के हित का भी प्रकटीकरण करेगा जिसमें उनकी उक्त प्रतिभूति में बिक्री से अधिक खरीद या खरीद से अधिक बिक्री सम्मिलित है, ऐसी सलाह देते समय।"</p>
भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड	1. विनियम 18 के उप-विनियम (4) का खण्ड

<p>(पारस्परिक निधि) विनियम, 1996</p>	<p>(घ) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा -</p> <p>"(घ) ने अनुपालन अधिकारी जो बोर्ड या केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी अधिनियम, नियमों और विनियमों, अधिसूचनाओं, मार्गदर्शक सिद्धांतों, अनुदेशों इत्यादि की अनुपालना के अनुश्रवण के लिये और विनिधानकर्ताओं की शिकायतों को दूर करने के लिये उत्तरदायी होगा की नियुक्ति कर ली है ; "</p> <p>2. उप-विनियम (4) के पश्चात् नया उप-विनियम (4क) निम्नानुसार अंतःस्थापित किया जायेगा</p> <p>"(4क) उप-विनियम (4) के खण्ड (घ) के अधीन नियुक्त अनुपालन अधिकारी उसके द्वारा संप्रेक्षित किसी अननुपालन की रिपोर्ट तुरंत और स्वतंत्र रूप से बोर्ड को करेगा ।"</p> <p>3. पाँचवीं अनुसूची में, खण्ड (10) के पश्चात्, नया खण्ड (11) निम्नानुसार अंतःस्थापित किया जायेगा -</p>
--------------------------------------	---

	<p>"(11)(क) पारस्परिक निधि का प्रायोजक, न्यासी या आस्ति प्रबंध कंपनी या उनके कर्मचारियों में से कोई, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, किसी प्रतिभूति के बारे में कोई विनिधान सलाह सार्वजनिक रूप से पहुँचयोग्य मीडिया, चाहे वास्तविक-समय या अवास्तविक समय, में तब तक नहीं देगा, जब तक कि उसके हित जिसमें उक्त प्रतिभूति में बिक्री से अधिक खरीद या खरीद से अधिक बिक्री सम्मिलित है का प्रकटीकरण न कर दिया गया हो, ऐसी सलाह देते समय।</p> <p>(ख) यदि, प्रायोजक, न्यासी या आस्ति प्रबंध कंपनी का कर्मचारी ऐसी सलाह दे रहा है, वह उसके आश्रित पारिवारिक सदस्यों और नियोक्ता के हित का भी प्रकटीकरण करेगा जिसमें उनकी उक्त प्रतिभूति में बिक्री से अधिक खरीद या खरीद से अधिक बिक्री सम्मिलित है, ऐसी सलाह देते समय।"</p>
<p>भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (संविभाग प्रबंधक) विनियम, 1993</p>	<p>1. विनियम 23 के पश्चात् नया विनियम 23क निम्नानुसार अंतःस्थापित किया जायेगा -</p>

"23क. अनुपालन अधिकारी की नियुक्ति -

(1) प्रत्येक संविभाग प्रबंधक अनुपालन अधिकारी जो बोर्ड या केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी अधिनियम, नियमों और विनियमों, अधिसूचनाओं, मार्गदर्शक सिद्धांतों, अनुदेशों इत्यादि की अनुपालना के अनुश्रवण के लिये और विनिधानकर्ताओं की शिकायतों को दूर करने के लिये उत्तरदायी होगा की नियुक्ति करेगा ।

(2) अनुपालन अधिकारी उसके द्वारा संप्रेक्षित किसी अनुपालन की रिपोर्ट तुरंत और स्वतंत्र रूप से बोर्ड को करेगा ।"

2. अनुसूची III में, खण्ड (10) के पश्चात् नया खण्ड (11) निम्नानुसार अंतःस्थापित किया जायेगा -

"(11)(क) संविभाग प्रबंधक या उसके कर्मचारियों में से कोई, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, किसी प्रतिभूति के बारे में कोई

	<p>विनिधान सलाह सार्वजनिक रूप से पहुँचयोग्य मीडिया, चाहे वास्तविक-समय या अवास्तविक समय, में तब तक नहीं देगा, जब तक कि उसकी उक्त प्रतिभूति में बिक्री से अधिक खरीद या खरीद से अधिक बिक्री का प्रकटीकरण न कर दिया गया हो, ऐसी सलाह देते समय।</p> <p>(ख) यदि, संविभाग प्रबंधक का कर्मचारी ऐसी सलाह दे रहा है, वह उसके आश्रित पारिवारिक सदस्यों और नियोक्ता के हित का भी प्रकटीकरण करेगा जिसमें उनकी उक्त प्रतिभूति में बिक्री से अधिक खरीद या खरीद से अधिक बिक्री सम्मिलित है, ऐसी सलाह देते समय।"</p>
<p>भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निर्गम रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण अभिकर्ता) विनियम, 1993</p>	<p>1. विनियम 15 के पश्चात् नया विनियम 15क निम्नानुसार अंतःस्थापित किया जायेगा -</p> <p>"15क. अनुपालन अधिकारी की नियुक्ति -</p> <p>(1) प्रत्येक निर्गम रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण अभिकर्ता अनुपालन अधिकारी</p>

	<p>जो बोर्ड या केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी अधिनियम, नियमों और विनियमों, अधिसूचनाओं, मार्गदर्शक सिद्धांतों, अनुदेशों इत्यादि की अनुपालना के अनुश्रवण के लिये और विनिधानकर्ताओं की शिकायतों को दूर करने के लिये उत्तरदायी होगा की नियुक्ति करेगा ।</p> <p>(2) अनुपालन अधिकारी उसके द्वारा संप्रेक्षित किसी अनुपालन की रिपोर्ट तुरंत और स्वतंत्र रूप से बोर्ड को करेगा ।"</p> <p>2. अनुसूची III में, खण्ड (7) के पश्चात् नया खण्ड (8) निम्नानुसार अंतःस्थापित किया जायेगा -</p> <p>"(8)(क) निर्गम रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण अभिकर्ता या उसके कर्मचारियों में से कोई, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, किसी प्रतिभूति के बारे में कोई विनिधान सलाह सार्वजनिक रूप से पहुँचयोग्य मीडिया, चाहे वास्तविक-समय या अवास्तविक समय, में तब तक नहीं देगा, जब तक कि उसकी उक्त प्रतिभूति में बिक्री से अधिक खरीद या खरीद से अधिक बिक्री</p>
--	--

	<p>का प्रकटीकरण न कर दिया गया हो, ऐसी सलाह देते समय।</p> <p>(ख) यदि, निर्गम रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण अभिकर्ता का कर्मचारी ऐसी सलाह दे रहा है, वह उसके आश्रित पारिवारिक सदस्यों और नियोक्ता के हित का भी प्रकटीकरण करेगा जिसमें उनकी उक्त प्रतिभूति में विक्री से अधिक खरीद या खरीद से अधिक विक्री सम्मिलित है, ऐसी सलाह देते समय।"</p>
<p>भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्टाक दलाल और उप-दलाल) विनियम, 1992</p>	<p>1. विनियम 18 के पश्चात् नया विनियम 18क निम्नानुसार अंतःस्थापित किया जायेगा -</p> <p>"18क. अनुपालन अधिकारी की नियुक्ति -</p> <p>(1) प्रत्येक स्टॉक दलाल अनुपालन अधिकारी जो बोर्ड या केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी अधिनियम, नियमों और विनियमों, अधिसूचनाओं, मार्गदर्शक सिद्धांतों, अनुदेशों इत्यादि की अनुपालना के अनुश्रवण के लिये और विनिधानकर्ताओं की शिकायतों को दूर करने के लिये</p>

	<p>उत्तरदायी होगा की नियुक्ति करेगा ।</p> <p>(2) अनुपालन अधिकारी उसके द्वारा संप्रेक्षित किसी अनुपालन की रिपोर्ट तुरंत और स्वतंत्र रूप से बोर्ड को करेगा ।"</p> <p>(3) अनुसूची II में,</p> <p>(i) "शेयर-दलालों की आचार-संहिता" शीर्ष के अधीन, खण्ड ख(7) के पश्चात् नया खण्ड (7क) निम्नानुसार अंतःस्थापित किया जायेगा -</p> <p>"(7क) सार्वजनिक रूप से पहुँचयोग्य मीडिया में विनिधान सलाह -</p> <p>(क) स्टॉक दलाल या उसके कर्मचारियों में से कोई, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, किसी प्रतिभूति के बारे में कोई विनिधान सलाह सार्वजनिक रूप से पहुँचयोग्य मीडिया, चाहे वास्तविक-समय या अवास्तविक समय, में तब तक नहीं देगा, जब तक कि उसके हित जिसके अंतर्गत उसके आश्रित पारिवारिक सदस्यों और नियोक्ता का हित है जिसमें</p>
--	--

	<p>उनकी उक्त प्रतिभूति में बिक्री से अधिक खरीद या खरीद से अधिक बिक्री सम्मिलित है का प्रकटीकरण न कर दिया गया हो, ऐसी सलाह देते समय।</p> <p>(ख) यदि, स्टॉक दलाल का कर्मचारी ऐसी सलाह दे रहा है, वह उसके आश्रित पारिवारिक सदस्यों और नियोक्ता के हित का भी प्रकटीकरण करेगा जिसमें उनकी उक्त प्रतिभूति में बिक्री से अधिक खरीद या खरीद से अधिक बिक्री सम्मिलित है, ऐसी सलाह देते समय।"</p> <p>(ii) "उप-दलालों के लिये आचार-संहिता" शीर्ष के अधीन, खण्ड ख(7) के पश्चात् नया खण्ड (7क) निम्नानुसार अंतःस्थापित किया जायेगा -</p> <p>"7क - सार्वजनिक रूप से पहुँचयोग्य मीडिया में विनिधान सलाह -</p> <p>(क) उप-दलाल या उसके कर्मचारियों में से कोई, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, किसी प्रतिभूति के बारे में कोई विनिधान सलाह</p>
--	--

	<p>सार्वजनिक रूप से पहुँचयोग्य मीडिया, चाहे वास्तविक-समय या अवास्तविक समय, में तब तक नहीं देगा, जब तक कि उसके हित जिसमें उसकी उक्त प्रतिभूति में बिक्री से अधिक खरीद या खरीद से अधिक बिक्री सम्मिलित है का प्रकटीकरण न कर दिया गया हो, ऐसी सलाह देते समय।</p> <p>(ख) यदि, उप-दलाल का कर्मचारी ऐसी सलाह दे रहा है, वह उसके आश्रित पारिवारिक सदस्यों और नियोक्ता के हित का भी प्रकटीकरण करेगा जिसमें उनकी उक्त प्रतिभूति में बिक्री से अधिक खरीद या खरीद से अधिक बिक्री सम्मिलित है, ऐसी सलाह देते समय।"</p>
<p>भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (हामीदार) विनियम, 1993</p>	<p>1. विनियम 17 के पश्चात् नया विनियम 17क निम्नानुसार अंतःस्थापित किया जायेगा -</p> <p>"17क. अनुपालन अधिकारी की नियुक्ति -</p> <p>(1) प्रत्येक हामीदार अनुपालन अधिकारी जो बोर्ड या केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी</p>

	<p>अधिनियम, नियमों और विनियमों, अधिसूचनाओं, मार्गदर्शक सिद्धांतों, अनुदेशों इत्यादि की अनुपालना के अनुश्रवण के लिये और विनिधानकर्ताओं की शिकायतों को दूर करने के लिये उत्तरदायी होगा की नियुक्ति करेगा ।</p> <p>(2) अनुपालन अधिकारी उसके द्वारा संप्रेक्षित किसी अननुपालन की रिपोर्ट तुरंत और स्वतंत्र रूप से बोर्ड को करेगा ।"</p> <p>2. अनुसूची III में, खण्ड (8) के पश्चात् नया खण्ड (9) निम्नानुसार अंतःस्थापित किया जायेगा -</p> <p>"(9)(क) हामीदार या उसके कर्मचारियों में से कोई, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, किसी प्रतिभूति के बारे में कोई विनिधान सलाह सार्वजनिक रूप से पहुँचयोग्य मीडिया, चाहे वास्तविक-समय या अवास्तविक समय, में तब तक नहीं देगा, जब तक कि उसके हित जिसमें उसकी उक्त प्रतिभूति में बिक्री से अधिक खरीद या खरीद से अधिक बिक्री सम्मिलित है का प्रकटीकरण न कर दिया गया</p>
--	---

	<p>हो, ऐसी सलाह देते समय।</p> <p>(ख) यदि, हामीदार का कर्मचारी ऐसी सलाह दे रहा है, वह उसके आश्रित पारिवारिक सदस्यों और नियोक्ता के हित का भी प्रकटीकरण करेगा जिसमें उनकी उक्त प्रतिभूति में बिक्री से अधिक खरीद या खरीद से अधिक बिक्री सम्मिलित है, ऐसी सलाह देते समय।"</p>
--	--

[फा. सं. भाप्रविबो/विधि/432/01]

देवेन्द्र राज मेहता, अध्यक्ष

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA**NOTIFICATION**

Mumbai, the 29th May, 2001

Securities and Exchange Board of India (Investment Advice by Intermediaries)**(Amendment) Regulations, 2001**

S.O. 476(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Securities and Exchange Board of India hereby makes the following regulations, namely –

1. These regulations shall be called the Securities and Exchange Board of India (Investment Advice by Intermediaries) (Amendment) Regulations, 2001.
2. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
3. The regulations specified in column (1) of the table below shall be amended to the extent provided in the corresponding entry in column (2) of the said table.

Short Title of the Regulation (1)	Extent of Amendment (2)
Securities and Exchange Board of India, (Bankers to an Issue) Regulations, 1994	<p>1. After regulation 16 a new regulation 16A shall be inserted as under -</p> <p>“16A. Appointment of Compliance Officer -</p> <p>(1.) Every banker to an issue shall appoint a compliance officer who shall be responsible for monitoring the compliance of the Act, rules and regulations, notifications, guidelines, instructions etc issued by the Board or the Central Government and for redressal of investors’ grievances.</p> <p>(2.) The compliance officer shall immediately and independently report to the Board any non-compliance observed by him .”</p> <p>2. In Schedule III, after clause (7) ,a new clause (8) shall be inserted as under –</p> <p>“(8)(a) A banker to an issue or any of his employees shall not render, directly or indirectly, any investment advice about any security in the publicly accessible media,</p>

	<p>whether real – time or non real-time, unless a disclosure of his interest including long or short position in the said security has been made, while rendering such advice.</p> <p>(b) In case, an employee of the banker to an issue is rendering such advice, he shall also disclose the interest of his dependent family members and the employer including their long or short position in the said security, while rendering such advice.”</p>
Securities and Exchange Board of India, (Credit Rating Agencies) Regulations, 1999	<p>1. After regulation 20 a new regulation 20A shall be inserted as under -</p> <p>“20A. Appointment of Compliance Officer -</p> <p>(1.) Every credit rating agency shall appoint a compliance officer who shall be responsible for monitoring the compliance of the Act, rules and regulations, notifications, guidelines, instructions etc issued by the Board or the Central Government.</p> <p>(2.) The compliance officer shall immediately and independently report to the Board any non-compliance</p>

	<p>observed by him .”</p> <p>2. In THIRD SCHEDULE, after clause (11) a new clause (11A) shall be inserted as under –</p> <p>“(11A) (a) A credit rating agency or any of his employees shall not render, directly or indirectly any investment advice about any security in the publicly accessible media, whether real – time or non real-time, unless a disclosure of his interest including long or short position in the said security has been made, while rendering such advice.</p> <p>(b) In case, an employee of the credit rating agency is rendering such advice, he shall also disclose the interest of his dependent family members and the employer including their long or short position in the said security, while rendering such advice.”</p>
--	---

<p>Securities and Exchange Board of India, (Custodian of Securities) Regulations, 1996</p>	<p>1. After regulation 19 a new regulation 19A shall be inserted as under -</p> <p>“19A. Appointment of Compliance Officer -</p> <p>(1.) Every custodian of securities shall appoint a compliance officer who shall be responsible for monitoring the compliance of the Act, rules and regulations, notifications, guidelines, instructions etc issued by the Board or the Central Government and for redressal of investors’ grievances.</p> <p>(2.) The compliance officer shall immediately and independently report to the Board any non-compliance observed by him .”</p> <p>3. In THIRD SCHEDULE, after clause (10) a new clause (11) shall be inserted as under –</p> <p>“(11) (a) A custodian of securities or any of his employees shall not render, directly or indirectly, any investment advice about any security in the publicly accessible media, whether real – time or non real-</p>
--	---

	<p>time, unless a disclosure of his interest including long or short position in the said security has been made, while rendering such advice.</p> <p>(b) In case, an employee of the custodian of securities is rendering such advice, he shall also disclose the interest of his dependent family members and employer including their long or short position in the said security, while rendering such advice.”</p>
Securities and Exchange Board of India, (Debenture Trustees) Regulations, 1993	<p>1. After regulation 17 a new regulation 17A shall be inserted as under -</p> <p>“17A. Appointment of Compliance Officer -</p> <p>(1.) Every debenture trustee shall appoint a compliance officer who shall be responsible for monitoring the compliance of the Act, rules and regulations, notifications, guidelines, instructions etc issued by the Board or the Central Government and for redressal of investors’ grievances.</p> <p>(2.) The compliance officer shall immediately and independently report to</p>

	<p>the Board any non-compliance observed by him.”</p> <p>2. In Schedule III, after clause (7) another clause (8) shall be inserted as under –</p> <p>“(8) (a) A debenture trustee or any of his employees shall not render, directly or indirectly, any investment advice about any security in the publicly accessible media, whether real - time or non real-time, unless a disclosure of his interest including long or short position in the said security has been made, while rendering such advice.</p> <p>(b) In case, an employee of the debenture trustee is rendering such advice, he shall also disclose the interest of his dependent family members and the employer including their long or short position in the said security, while rendering such advice.”</p>
<p>Securities and Exchange Board of India, (Depositories and Participants) Regulations, 1996</p>	<p>1. After regulation 58, regulations 58A and 58B shall be inserted as under –</p> <p>“(58A) (1) A depository or a participant or any of their employees shall not render, directly or indirectly, any investment advice about any security in the publicly</p>

accessible media, whether real – time or non real-time, unless a disclosure of his interest including long or short position in the said security has been made, while rendering such advice.

(2) In case, an employee of the depository or the participant is rendering such advice, he shall also disclose the interest of his dependent family members and the employer including their long or short position in the said security, while rendering such advice.”

“58B. Appointment of Compliance Officer -

(1.) A depository and a participant shall appoint a compliance officer who shall be responsible for monitoring the compliance of the Act, rules and regulations, notifications, guidelines, instructions etc issued by the Board or the Central Government and for redressal of investors' grievances.

(2.) The compliance officer shall immediately and independently report to

	the Board any non-compliance observed by him.”
Securities and Exchange Board of India, (Foreign Institutional Investors) Regulations, 1995	<p>1. After regulation 17 a new regulation 17A shall be inserted as under –</p> <p>“17A – Investment Advice in publicly accessible media.</p> <p>(1) A Foreign Institutional Investor or any of his employees shall not render directly or indirectly any investment advice about any security in the publicly accessible media, whether real – time or non real-time, unless a disclosure of his interest including long or short position in the said security has been made, while rendering such advice.</p> <p>(2) In case, an employee of the Foreign Institution Investor is rendering such advice, he shall also disclose the interest of his dependent family members and the employer including their long or short position in the said security, while rendering such advice.”</p>

	<p>2. After regulation 19 a new regulation 19A shall be inserted as under -</p> <p>“19A. Appointment of Compliance Officer -</p> <p>(1.) Every Foreign Institutional Investor shall appoint a compliance officer who shall be responsible for monitoring the compliance of the Act, rules and regulations, notifications, guidelines, instructions etc issued by the Board or the Central Government.”</p> <p>(2.) The compliance officer shall immediately and independently report to the Board any non-compliance observed by him.”</p>
Securities and Exchange Board of India, (Merchant Bankers) Regulations, 1992	<p>1. After regulation 28 a new regulation 28A shall be inserted as under -</p> <p>“ 28A. Appointment of Compliance Officer -</p> <p>(1.) Every merchant banker shall appoint a compliance officer who shall be responsible for monitoring the compliance of the Act, rules and</p>

	<p>regulations, notifications, guidelines, instructions etc issued by the Board or the Central Government and for redressal of investors' grievances.</p> <p>(2.) The compliance officer shall immediately and independently report to the Board any non-compliance observed by him and ensure that the observations made or deficiencies pointed out by the Board on / in the draft prospectus or the Letter of Offer as the case may be, do not recur."</p> <p>2. In Schedule III, after clause (8) ,a new clause (8A) shall be inserted as under –</p> <p>"(8A) (a) A merchant banker or any of his employees shall not render, directly or indirectly, any investment advice about any security in the publicly accessible media, whether real – time or non real-time, unless a disclosure of his interest including long or short position in the said security has been made, while rendering such advice.</p> <p>(b) In case, an employee of the merchant</p>
--	---

	<p>banker is rendering such advice, he shall also disclose the interest of his dependent family members and the employer including their long or short position in the said security, while rendering such advice.”</p>
<p>Securities and Exchange Board of India, (Mutual Funds) Regulations, 1996</p>	<p>1. The clause (d) of sub-regulation (4) of regulation 18 shall be substituted by the following -</p> <p>“(d) appointed a compliance officer who shall be responsible for monitoring the compliance of the Act, rules and regulations, notifications, guidelines instructions etc issued by the Board or the Central Government and for redressal of investors’ grievances.”</p> <p>2. After sub-regulation (4) a new sub-regulation (4a) shall be inserted as under</p> <p>“(4a) The compliance officer appointed under clause (d) of sub-regulation (4) shall immediately and independently report to the Board any non-compliance observed by him.”</p> <p>3. In FIFTH SCHEDULE after clause</p>

	<p>(10), a new clause (11) shall be inserted as under –</p> <p>“(11) (a) The sponsor of the mutual fund, the trustees or the asset management company or any of their employees shall not render, directly or indirectly any investment advice about any security in the publicly accessible media, whether real – time or non real-time, unless a disclosure of his interest including long or short position in the said security has been made, while rendering such advice.</p> <p>(b) In case, an employee of the sponsor, the trustees or the asset management company is rendering such advice, he shall also disclose the interest of his dependent family members and the employer including their long or short position in the said security, while rendering such advice.”</p>
--	--

<p>Securities and Exchange Board of India, (Portfolio Managers) Regulations, 1993</p>	<p>1. After regulation 23 a new regulation 23A shall be inserted as under -</p> <p>“ 23A. Appointment of Compliance Officer -</p> <p>(1.) Every portfolio manager shall appoint a compliance officer who shall be responsible for monitoring the compliance of the Act, rules and regulations, notifications, guidelines, instructions etc issued by the Board or the Central Government and for redressal of investors’ grievances. •</p> <p>(2.) The compliance officer shall immediately and independently report to the Board any non-compliance observed by him .”</p> <p>2. In Schedule III, after clause (10) a new clause (11) shall be inserted as under –</p> <p>“(11) (a) A portfolio manager or any of his employees shall not render, directly or indirectly any investment advice about any security in the publicly accessible media, whether real – time or non real-time, unless a disclosure of his long or short position in</p>
---	--

	<p>the said security has been made, while rendering such advice.</p> <p>(b) In case, an employee of the portfolio manager is rendering such advice, he shall also disclose the interest of his dependent family members and the employer including their long or short position in the said security, while rendering such advice.”</p>
<p>Securities and Exchange Board of India, (Registrars to an Issue and Share Transfer Agents) Regulations, 1993</p>	<p>1. After regulation 15 a new regulation 15A shall be inserted as under -</p> <p>“ 15A. Appointment of Compliance Officer -</p> <p>(1.)Every registrar to an issue and share transfer agents shall appoint a compliance officer who shall be responsible for monitoring the compliance of the Act, rules and regulations, notifications, guidelines, instructions etc issued by the Board or the Central Government and for redressal of investors’ grievances.</p> <p>(2.)The compliance officer shall immediately and independently report to the Board any non-compliance observed by him .”</p>

	<p>2. In Schedule III, after clause (7) a new clause (8) shall be inserted as under –</p> <p>“(8) (a) A registrar to issue and share transfer agent or any of his employees shall not render, directly or indirectly any investment advice about any security in the publicly accessible media, whether real – time or non real-time, unless a disclosure of his long or short position in the said security has been made, while rendering such advice.</p> <p>(b) In case, an employee of the registrar to issue and share transfer agent is rendering such advice, he shall also disclose the interest of his dependent family members and the employer including their long or short position in the said security, while rendering such advice.”</p>
<p>Securities and Exchange Board of India, (Stock Brokers and Sub-Brokers) Regulations, 1992</p>	<p>1. After regulation 18 a new regulation 18A shall be inserted as under -</p> <p>“ 18A. Appointment of Compliance Officer -</p> <p>(1.) Every stock broker shall appoint a compliance officer who shall be</p>

	<p>responsible for monitoring the compliance of the Act, rules and regulations, notifications, guidelines, instructions etc issued by the Board or the Central Government and for redressal of investors' grievances.</p> <p>(2) The compliance officer shall immediately and independently report to the Board any non-compliance observed by him."</p> <p>(3.) In Schedule II,</p> <p>(i) Under the head "CODE OF CONDUCT FOR STOCK BROKERS", after clause B (7) a new clause (7A) shall be inserted as under –</p> <p>“(7A) Investment Advice in publicly accessible media –</p> <p>(a) A stock broker or any of his employees shall not render, directly or indirectly, any investment advice about any security in the publicly accessible media, whether real - time or non real-time, unless a disclosure of his interest including the interest of his</p>
--	---

dependent family members and the employer including their long or short position in the said security has been made, while rendering such advice.

(b) In case, an employee of the stock broker is rendering such advice, he shall also disclose the interest of his dependent family members and the employer including their long or short position in the said security, while rendering such advice.”

(ii). Under the head “CODE OF CONDUCT FOR SUB-BROKERS”, after clause B (7) a new clause (7A) shall be inserted as under –

“7A – Investment Advice in publicly accessible media –

(a) A sub-broker or any of his employees shall not render, directly and indirectly any investment advice about any security in the publicly accessible media, whether real – time or non real-time, unless a disclosure of his interest including his long or short position in the said security has been made, while rendering such advice.

	<p>(b) In case, an employee of the sub-broker is rendering such advice, he shall also disclose the interest of his dependent family members and the employer including their long or short position in the said security, while rendering such advice.”</p>
<p>Securities and Exchange Board of India, (Underwriters) Regulations, 1993</p>	<p>1. After regulation 17 a new regulation 17A shall be inserted as under -</p> <p>“ 17A. Appointment of Compliance Officer -</p> <p>(1.) Every underwriter shall appoint a compliance officer who shall be responsible for monitoring the compliance of the Act, rules and regulations, notifications, guidelines, instructions etc issued by the Board or the Central Government and for redressal of investors’ grievances.</p> <p>(2.) The compliance officer shall immediately and independently report to the Board any non-compliance observed by him .”</p> <p>2. In Schedule III, after clause (8) a new clause (9) shall be inserted as under –</p>

	<p>“(9) (a) An underwriter or any of his employees shall not render, directly or indirectly any investment advice about any security in the publicly accessible media, whether real – time or non real-time, unless a disclosure of his interest including his long or short position in the said security has been made, while rendering such advice.</p> <p>(b) In case, an employee of the underwriter is rendering such advice, he shall also disclose the interest of his dependent family members and the employer including their long or short position in the said security, while rendering such advice.”</p>
--	---

[F. No. SEBI/LE/432/01]

D R MEHTA, Chairman